

Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



News

Disappearance of Srila Jiva Goswami (2nd January)

The disappearance of Srila Jiva Goswami was celebrated with pushpanjali and kirtan. Remembering the revered acharya and his monumental contribution in the propagation of the Gaudiya Vaishnava teachings, devotees begged for the mercy of the erudite Guru, who has the potential to deliver fallen souls by virtue of his purity and devotion. Entrusted to spearhead the Vaishnava movement, by his glorious uncles, Srila Rupa Goswami and Srila Sanatana Goswami, Srila Jiva Goswami shaped Krishna consciousness, as we know it today.



समाचार

श्रील जीव गोस्वामी का तिरोभाव (2 जनवरी)

श्रील जीव गोस्वामी का तिरोभाव पुष्पांजलि एवं कीर्तन के साथ मनाया गया। गौड़ीय वैष्णव शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार में श्रद्धेय आचार्य के उल्लेखनीय योगदान का स्मरण करते हुए, भक्तों ने विद्वान गुरु से दया की याचना की, जो अपनी पवित्रता और भक्ति के आधार पर पतित आत्माओं को मुक्ति दिलाने की क्षमता रखते हैं। उन्हें अपने गौरवशाली काकाओं, श्रील रूप गोस्वामी एवं श्रील सनातन गोस्वामी द्वारा वैष्णव आंदोलन के नेतृत्व का कार्य सौंपा गया, श्रील जीव गोस्वामी ने कृष्ण भावनामृत को नव आकार प्रदान दिया, जैसा कि हम आज जानते हैं।



महाकुंभ में इस्कॉन

जब भी समाज की सेवा करने एवं सनातन धर्म के ध्वज को ऊँचा उठाने का अवसर आता है, इस्कॉन सर्वदा अग्र श्रेणी में खड़ा रहता है। ज्यों ही महाकुंभ, एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक संगम के रूप में सामने आता है, तो इसके साथ इस्कॉन, लोकोपकारी अडानी ग्रुप ऑफ कंपनीज के साथ साझेदारी में एक लाख से अधिक प्रसाद की थालियाँ वितरित करके सबसे आगे रहता है। इस सराहनीय प्रयास को जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों: अध्यात्मवादियों, राजनेताओं, गणमान्य व्यक्तियों और प्रसिद्ध व्यक्तियों आदि से प्रशंसा मिली है। इसके साथ ही पूरी दुनिया में आध्यात्मिक ज्ञान के सर्वोत्तम स्रोतों में से एक मानी जाने वाली पुस्तक श्रीमद् भगवद् गीता का मुफ्त वितरण भी किया जा रहा है।

✿ ISKCON at Mahakumbh

Whenever there is an occasion to serve society and uphold the flag of Sanatana Dharma, ISKCON is always at the forefront. As the Mahakumbh, a historic cultural confluence unfolds, ISKCON leads from the front by distributing more than one lac prasadam thalis, in partnership with the philanthropic Adani Group of Companies. This commendable effort has gained appreciation from people of all walks of life: spiritualists, politicians, dignitaries and celebrities. This is also accompanied by the free distribution of the Bhagavad Gita, a book acclaimed to be one of the best sources of spiritual knowledge, all over the world.



✿ Maha-contributions at Maha Kumbh Mela! (ISKCON, Punjabi Bagh)

The devotee community at ISKCON Punjabi Bagh has come together to support and serve crores of pilgrims visiting the Mahakumbh at Prayagraj. Resident and congregation devotees have taken up various initiatives at different



✿ महाकुंभ मेले में महा-योगदान ! (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग का भक्त समुदाय प्रयागराज में महाकुंभ में आने वाले करोड़ों तीर्थयात्रियों के समर्थन और सेवा हेतु एक साथ आया है। निवासी और मण्डली भक्तों ने सेवा हेतु विभिन्न अंतरालों पर भिन्न-भिन्न पहल की हैं। इन पहलों में वित्तीय योगदान, मेले में प्रसादम और तीर्थयात्रियों की देखभाल, पुस्तक वितरण और मण्डली शिविर जैसी स्वैच्छिक सेवाएँ शामिल हैं। सभी भक्त सदी में एक बार होने वाले इस

intervals to be of service. These initiatives include financial contributions, voluntary services at the mela like prasadam and pilgrim care, book distribution, and congregation camps. All devotees are trying the best within their capacity to serve at this unique, once-in-a-century spiritual fest and feast!

Jagannatha Puri Dhama Yatra (12TH-18TH Jan) (ISKCON, Dwarka)

The congregation devotees from ISKCON DWARKA went for a week long Dhama Yatra to Sri Jagannath Puri. The congregation was led by HG Amal Krishna Prabhu. Jagannath Puri aspires devotees to uplift the devotion and experience blessing of Lord Jagannath and Lord Gauranga. The attractions of the yatra were visiting famous temples and visiting the famous places of Lord's pastimes, and parikrama of Puri Dhama.

Services for all on Makkar Sakranti (ISKCON, Punjabi Bagh)

During festivals of cultural significance for Delhi - Lohri and Makar Sakranti, thousands of visitors come over to the ISKCON temples. Especially at ISKCON Punjabi Bagh, several visitors come to get blessings from the beautiful deities. With blessings, many come with the aim to support the temple and serve the Lordships through donations. Keeping this in mind, the temple fundraising team at ISKCON Punjabi Bagh organized "Tula Daan" and a Prasad Distribution drive on these days this year. This attracted the visitors to engage themselves and their wealth in the service of the Lord.

Makar Sankranti (14th January) (ISKCON, Dwarka)

For the permanent happiness of the year, ISKCON Dwarka organized the festival of Makar Sankranti on temple premises. People were invited to start the new season by reading Bhagavad Gita and celebrating it by chanting and dancing to Harinama. Special attractions involved rangoli making, and kites decoration. Devotees were also given an opportunity to perform special aarti. The program was followed by Khichdi prasadam.

Reaching out to students at IHM Pusa (ISKCON, Punjabi Bagh)

ISKCON Punjabi Bagh's Youth Forum recently organized an outreach session at IHM Pusa - one of the top hotel management institutes in the country. The talk was conducted for final-year students and the faculty at the institute. The session focussed on breaking out of bad habits and cultivating good ones. This session was conducted by an IYF devotee - Namachyuta Prabhu (Nishcal Gabba). The session was very well received and appreciated by all students who candidly shared their feedback with the speaker. This marks one of the many initiatives by ISKCON Punjabi Bagh to reach out to the top institutes in and around NCR.

अनूठे आध्यात्मिक उत्सव और भोज में सेवा करने हेतु अपनी क्षमता के अनुसार सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं !

जगन्नाथ पुरी धाम यात्रा (12-18 जनवरी) (इस्कॉन, द्वारका)

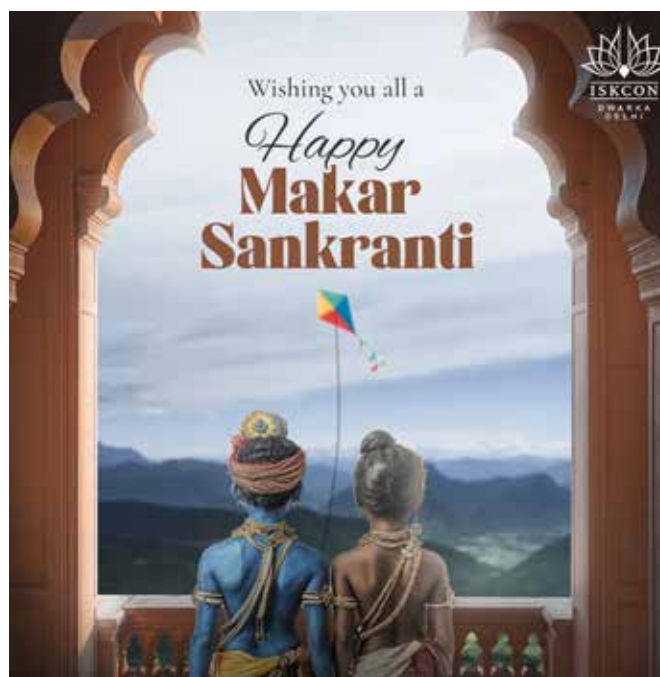
इस्कॉन द्वारका से भक्त मण्डली के भक्त श्री जगन्नाथ पुरी की एक सप्ताह की धाम यात्रा के लिए गए। मंडली का नेतृत्व श्रीमान अमल कृष्ण प्रभु ने किया। श्री जगन्नाथ पुरी धाम, भक्तों की भक्ति को बढ़ाने एवं भगवान् जगन्नाथ तथा भगवान् गौरांग के आशीर्वाद को अनुभव करने की प्रेरणा देता है। यात्रा का आकर्षण प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन और भगवान् की लीलाओं के प्रसिद्ध स्थानों के दर्शन और पुरी धाम की परिक्रमा थी।

मकर संक्रांति पर सभी के लिए सेवाएँ (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

दिल्ली के लिए सांस्कृतिक महत्व के त्योहारों - लोहड़ी और मकर संक्रांति के दौरान, हजारों श्रद्धालु इस्कॉन मंदिरों में आते हैं। विशेष रूप से इस्कॉन पंजाबी बाग में, कई आगंतुक सुंदर विग्रहों का आशीर्वाद पाने के लिए आते हैं। आशीर्वाद के साथ, कई लोग मंदिर का समर्थन करने और दान के माध्यम से परम आराध्य की सेवा करने के उद्देश्य से आते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, इस्कॉन पंजाबी बाग में मंदिर की धन-संचयन टीम ने इस वर्ष इन दिनों में "तुला दान" और प्रसाद वितरण अभियान का आयोजन किया। इस योजना ने श्रद्धालुओं को न केवल स्वयं को साथ ही अपनी संपत्ति को भी श्री भगवान् की सेवा में संलग्न करने हेतु आकर्षित किया।

मकर संक्रांति (14 जनवरी) (इस्कॉन, द्वारका)

वर्ष भर हेतु स्थाई प्रसन्नता के लिए इस्कॉन द्वारका मंदिर ने परिसर के भीतर मकर संक्रांति उत्सव का आयोजन किया। लोगों को भगवद गीता पढ़कर एवं हरिनाम का जाप और नृत्य करके नए सत्र का आरम्भ करने हेतु आमंत्रित किया गया। विशेष आकर्षण में रंगोली बनाना और पतंग सजाना शामिल था। भक्तों को विशेष आरती करने का भी अवसर दिया गया। कार्यक्रम के उपरान्त खिचड़ी प्रसाद का आयोजन किया गया।



आईएचएम पूसा में छात्रों तक पहुँचना (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग के यूथ फोरम ने हाल ही में देश के शीर्ष होटल प्रबंधन संस्थानों में से एक - आईएचएम पूसा में एक आउटरीच सत्र का



🌸 New Cultural Centre of ISKCON inaugurated at Navi Mumbai (15th January)

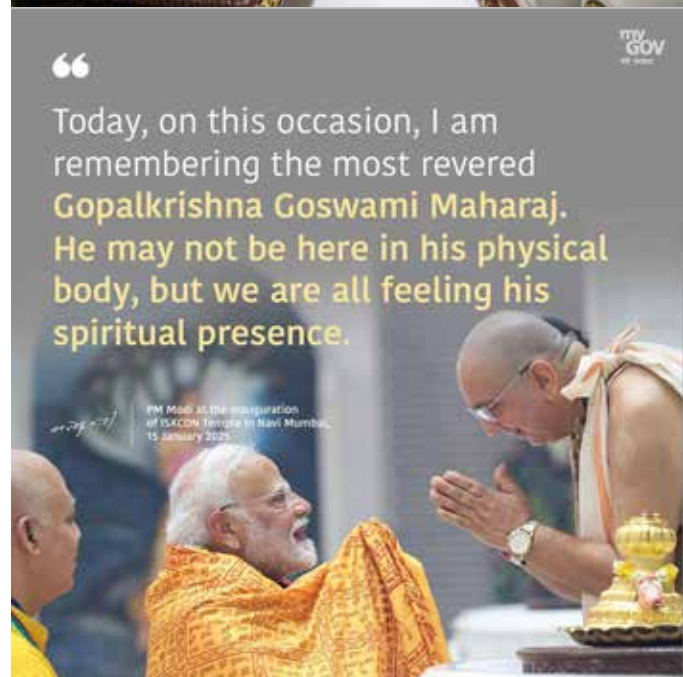
ISKCON added yet another jewel in its series of state-of-the-art temples, across the globe. A spectacular temple and cultural centre was inaugurated by the Honourable Prime Minister of India, Shri Narendra Modi, at Kharghar, Navi Mumbai. Remembering Srila Prabhupada, the Founder Acharya of ISKCON, the Hon'ble Prime Minister appreciated how devotees all around the world are bound together with the teachings of Srila Prabhupada. He declared Prabhupada's mission of spreading Krishna consciousness around the world, at the age of seventy, when most consider it to be the evening



आयोजन किया। यह बातचीत संस्थान में अंतिम वर्ष के छात्रों एवं शिक्षक संकाय हेतु आयोजित की गई थी। सत्र बुरी आदतों से बाहर निकलने और अच्छी आदतों को विकसित करने पर केंद्रित था। इस सत्र का संचालन IYF भक्त - नामच्युत प्रभु (निश्चल गब्बा) द्वारा किया गया था। सत्र को सभी छात्रों द्वारा भूरि भूरि प्रशंसा प्राप्त हुई और उन्होंने वक्ता के साथ खुलकर अपनी प्रतिक्रिया साझा की। यह एनसीआर और उसके आसपास के शीर्ष संस्थानों तक पहुँचने हेतु इस्कॉन पंजाबी बाग की कई पहलों में से एक है।

🌸 नवी मुंबई में इस्कॉन के नवीन सांस्कृतिक केंद्र का उद्घाटन (15 जनवरी)

इस्कॉन ने संसार भर में अपने अत्याधुनिक मंदिरों की श्रृंखला में एक और रत्न जोड़ा है। भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा खारघर, नवी मुंबई में एक शानदार मंदिर और सांस्कृतिक केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस्कॉन के संस्थापक आचार्य श्रील प्रभुपाद का स्मरण करते हुए, माननीय प्रधानमंत्री जी ने प्रशंसा की कि कैसे संसार भर में भक्तगण श्रील प्रभुपाद की शिक्षाओं से एक साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने सत्तर वर्ष की आयु में, जब अधिकांश लोग प्रायः इसे जीवन की संध्या मान लेते हैं, संसार भर में कृष्ण भावनामृत के प्रसार हेतु प्रभुपाद के मिशन को गौरवशाली और अद्वितीय घोषित किया। परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, श्री मोदी जी ने माना कि कैसे उनके गुरु और कृष्ण के प्रति गहन, शुद्ध भक्ति



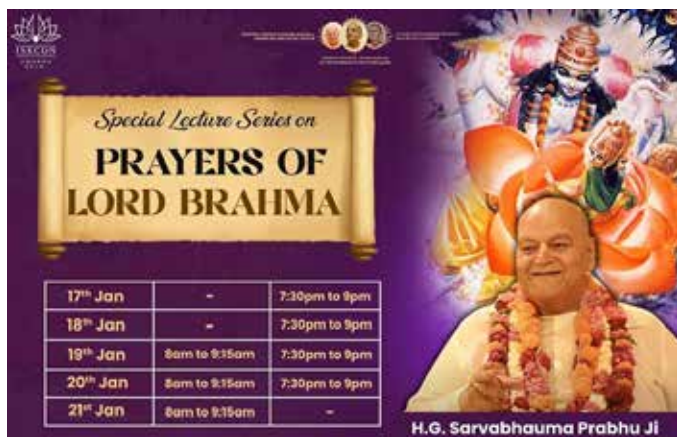
of life, to be glorious and unparalleled. Paying his emotional tribute to His Holiness Gopal Krishna Goswami Maharaja, Shri Modi recognised how his vision and blessings rooted in deep, pure devotion to his Guru and Krishna, are integral to this grand project. He expressed how he was feeling the spiritual presence of Maharaja, although he wasn't physically present at the moment. He mentioned that his affection for Maharaja and his fond memories were very special for him.

✿ Using theatre in the service of the Lord! (ISKCON, Punjabi Bagh)

As part of the International Book Distribution Marathon, devotees at the ISKCON Girls Forum visited several public places like India Gate, Connaught Place, and the railway stations in Delhi. A highlight of their efforts this year was a street play called "Winning the Battle Within". This was performed by the ISKCON Teenage Forum Girls, who displayed immense courage by showcasing their art in public as a service to Srila Prabhupada. The play revolved around the teaching of the Bhagavad Gita and its role in helping overcome life's challenges.

✿ Special Lecture series (17TH -21ST Jan) (ISKCON, Dwarka)

Krishna is delighted to hear His pastimes from His beloved devotees. This year commenced with a special lecture series on the "Prayers of Lord Brahma," delivered by H.G. Sarvabhauma Prabhu.



Special Lecture Series on
PRAYERS OF LORD BRAHMA

17 th Jan	-	7:30pm to 9pm
18 th Jan	-	7:30pm to 9pm
19 th Jan	8am to 9:15am	7:30pm to 9pm
20 th Jan	8am to 9:15am	7:30pm to 9pm
21 st Jan	8am to 9:15am	-

H.G. Sarvabhauma Prabhu Ji

✿ Appearance of Srila Gopala Bhatta Goswami (18th January) (ISKCON, East of Kailash)

On his tour to South India, Chaitanya Mahaprabhu stayed at the house of Venkat Bhatta, during the Caturmasya. Sri Venkat Bhatta's young son, was so attracted to Mahaprabhu, that he wished to immediately join Him on His tour and further. This young boy went on to become Srila Gopala Bhatta Goswami, one of the six Goswamis of Vrindavana. His appearance was celebrated with pushpanjali and kirtan.



में निहित उनकी दृष्टि और आशीर्वाद इस भव्य परियोजना के अभिन्न अंग हैं। उन्होंने व्यक्त किया कि वह महाराज की आध्यात्मिक उपस्थिति को कैसे अनुभव कर रहे हैं, यद्यपि वह इस समय शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं थे। उन्होंने उल्लेख किया कि महाराज के प्रति उनका स्नेह और उनकी मधुर स्मृतियाँ उनके लिए बहुत विशेष थीं।

✿ भगवान् की सेवा में रंगमंच का उपयोग करना !

(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक वितरण मैराथन के भाग के रूप में, इस्कॉन गर्ल्स फोरम की भक्तियों ने इंडिया गेट, कनॉट प्लेस और दिल्ली में रेलवे स्टेशनों जैसे कई सार्वजनिक स्थलों का दौरा किया। इस वर्ष उनके प्रयासों का मुख्य आकर्षण "आन्तरिक संघर्ष विजय" नामक एक नुक्कड़ नाटक था। यह प्रदर्शन इस्कॉन किशोरी मंच की बालिकाओं द्वारा किया गया, जिन्होंने श्रील प्रभुपाद की सेवा के रूप में सार्वजनिक रूप से अपनी कला का प्रदर्शन करके अपार साहस का प्रदर्शन किया। यह नाटक भगवद गीता की शिक्षाओं तथा जीवन की चुनौतियों से उबरने में इसकी भूमिका के इर्द-गिर्द घूमता है।



✿ विशेष व्याख्यान श्रृंखला (17 से 21 जनवरी)

(इस्कॉन, द्वारका)

कृष्ण अपने प्रिय भक्तों से अपनी लीलाएँ सुनकर प्रसन्न होते हैं। इस वर्ष का शुभारंभ, श्रीमान सार्वभौम प्रभु द्वारा "भगवान् ब्रह्मा की प्रार्थना" पर एक विशेष व्याख्यान श्रृंखला के साथ हुआ।

✿ श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी का आविर्भाव (18 जनवरी)

(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्री चैतन्य महाप्रभु चातुर्मास्य के दौरान अपने दक्षिण भारत के दौरे पर वेंकट भट्ट के घर पर ठहरे थे। श्री वेंकट भट्ट का छोटा बेटा, महाप्रभु के प्रति इतना आकर्षित था कि वह तुरंत उनके दौरे और आगे भी उनके साथ शामिल होना चाहता था। यह युवा बालक आगे चलकर वृन्दावन के छह गोस्वामियों में से एक, श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी जी बने। पुष्पांजलि और कीर्तन के साथ उनका प्राकट्य उत्सव मनाया गया।



✿ Shobha Yatra (19th January) (ISKCON, East of Kailash)

A shobha yatra was organized at the Sri Sri Radha Parthasarathi temple, East of Kailash, to commemorate the Pushya Abhishek, commonly known as Rasa Yatra. This is celebrated on the occasion of Makar Sankranti on January 14th. Their Lordships set out in Their beautifully adorned palanquin. Devotees chanting the holy name accompanied Them. The whole atmosphere was surcharged by transcendental sound vibration. Through resplendent darshans and the purifying sound, visitors became infused with devotion.



✿ ISKCON Punjabi Bagh's book distribution bus party travels to Hyderabad (ISKCON, Punjabi Bagh)

The book distribution bus party started its year with distribution in the city of Hyderabad. In 20 days, the team of devotees distributed over 7000 large books. The team has been travelling all across South and West India to achieve their highest score ever during the book distribution month as an offering to H.H. Gopal Krishna Goswami Maharaja.

✿ Jagriti Workshop by ISKCON Girls Forum at ISKCON Punjabi Bagh (ISKCON, Punjabi Bagh)

IGF devotees recently hosted a two-day workshop - Jagriti! The sessions aimed to bring clarity, hope, calmness, and focus to the lives of young attendees through Srila Prabhupada's teachings. On the first day, January 12th, the session focused on the topic "Secret of Life's Balance.". The discussion was centred around maintaining harmony amidst life's challenges, drawing from the timeless wisdom of the Bhagavad Gita. The second day, January 19th, explored the topic "Amazing Tips for Shining Relationships." This session, provided valuable insights into building and nurturing meaningful and lasting connections. Both days were filled with engaging activities like quizzes, fun games, delicious feasts, and thoughtful gifts, making the sessions both educational and enjoyable. A special highlight was the drama performance, "Fail vs. Fall in Love," which captured the audience's attention and delivered a profound message in an entertaining way. These sessions were attended by over 25 new devotees.

✿ शोभा यात्रा (19 जनवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

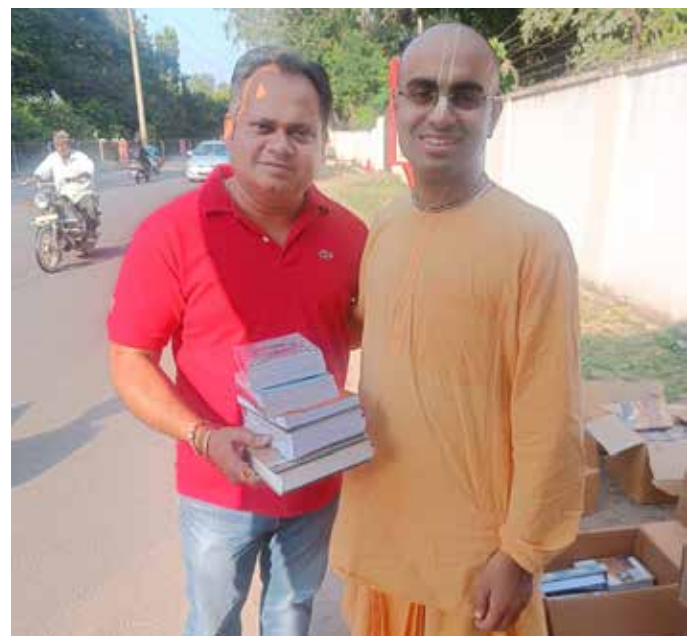
सामान्य रूप से रस यात्रा के रूप में जाना जाने वाला पुष्य अभिषेक के उपलक्ष्य में, ईस्ट ऑफ कैलाश में स्थित श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर में एक शोभा यात्रा का आयोजन किया गया था। यह 14 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर मनाया जाता है। परम भगवान् अपनी सुंदर सजी हुई पालकी में सवार होकर निकले। भक्तगण पालकी के साथ पवित्र नाम का जप कर रहे थे। संपूर्ण वातावरण दिव्य ध्वनि कंपन से अभिभूत हो गया। देदीप्यमान दर्शनों और मङ्गल ध्वनि के माध्यम से, आगंतुक श्रद्धालुगण भक्ति से भर गए।

✿ इस्कॉन पंजाबी बाग पुस्तक वितरण बस दल की हैदराबाद यात्रा (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

पुस्तक वितरण बस दल ने अपने नववर्ष का शुभारंभ हैदराबाद नगर में पुस्तक वितरण के साथ किया। 20 दिनों में भक्तों के दल ने 7000 से अधिक बड़ी पुस्तकें वितरित कीं। परम पूज्य श्रील गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज को भेंट स्वरूप पुस्तक वितरण माह के अंतर्गत अपना उच्चतम स्कोर प्राप्त करने हेतु दल पूरे दक्षिण और पश्चिम भारत में यात्रा कर रहा है।

✿ इस्कॉन पंजाबी बाग में इस्कॉन बालिका मंच द्वारा जागृति कार्यशाला (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

आईजीएफ की भक्तियों ने हाल ही में दो दिवसीय कार्यशाला - जागृति की मेजबानी की ! इन सत्रों का उद्देश्य श्रील प्रभुपाद की शिक्षाओं के माध्यम से युवा उपस्थित जनों के जीवन में स्पष्टता, आशा, शांति और ध्यान केंद्रित करना था। प्रथम दिवस, 12 जनवरी को सत्र "जीवन के संतुलन का रहस्य" विषय पर केंद्रित था। सारी वार्ता, भगवद गीता के कालातीत ज्ञान से प्रेरणा लेते हुए, जीवन की चुनौतियों के मध्य सद्भाव बनाए रखने पर केंद्रित रही। दूसरे दिन, 19 जनवरी को "रिश्तों को रौशन रखने हेतु अद्भुत युक्तियाँ" विषय पर वार्ता की गई। इस सत्र ने संबंधों को सार्थक एवं स्थायी बनाने हेतु तथा पोषित करने पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की। दोनों दिन क्विज, मजेदार खेल, स्वादिष्ट भोज एवं विचारशील उपहारों जैसी आकर्षक गतिविधियों से भरे हुए थे, जिससे सत्र शैक्षिक एवं मनोरंजक दोनों बन गए। एक विशेष आकर्षण नाटक प्रदर्शन, "फेल बनाम फॉल इन लव" था, जिसने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। मनोरंजक विधि से एक गहन संदेश दिया। इन सत्रों में 25 से अधिक नए भक्तों ने भाग लिया।





Upcoming events:



आगामी कार्यक्रम

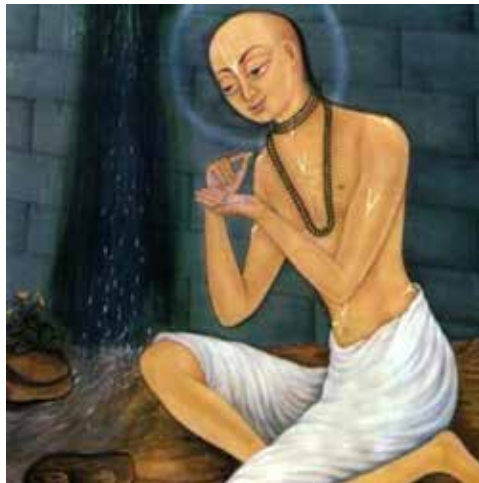
Appearance of Srila Raghunatha Dasa Goswami

(3rd February)

Srila Raghunatha Dasa Goswami's appearance will be celebrated with Pushpanjali and kirtan. Devotees will pray to the acharya for mercy and favour to advance in devotional life.

Varaha Dwadashi (9th February)

The Lord appears in all the species of living beings. When Bhumidevi was submerged in the Garbhodak ocean by the demon Hiranyaksh, the Lord appeared as Varahadev to deliver her. Devotees shall chant more, and seek the mercy of the Lord, on this auspicious occasion.



Nityananda Trayodashi (10th February)

Lord Nityananda is Lord Balarama, who appears in Kaliyuga to participate in the pastimes of Lord Gauranga. As the elder brother of the Lord, He facilitates the establishment of the yuga dharma: Harinama sankirtan. He is adi guru, the repository of spiritual strength. The Puranas say "nayamatma balahinena labhyo": without the mercy of Lord Balarama, self-realisation cannot be achieved. The appearance of Lord Nityananda will be celebrated on Trayodashi, with an elaborate abhishek, performed amidst kirtan and chanting of the holy names. The devotees will seek favour of the Lord through a prayerful mood and various services, rendered with devotion and love. Resplendent flower and dry fruit dresses will be offered to the Lord. The celebration will be made superlative by the beautiful darshans in an adorned altar and temple hall. This celebration will be preceded by an adivasa ceremony. A shobha yatra will be held on the campus of the temple. Devotees will welcome Their Lordships, making humble offerings of bhoga.

Appearance of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura (17th February)

The appearance of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura will be celebrated with Pushpanjali, amidst kirtan and chanting. The 'lion guru', laid the foundation of the Krishna consciousness movement by weeding out the contamination from the practices and laying bare the urgency and significance of spiritual advancement.

Disappearance of Srila Jagannatha Dasa Babaji Maharaja (28th February)

Srila Jagannatha Dasa Babaji Maharaja is the epitome of devotional purity. He guided Srila Bhaktivinoda Thakura, in unearthing the places of the appearance of Chaitanya Mahaprabhu. It is by his mercy that devotees in the present day are able to visit and experience the holy and sublime land of Navadvipa. His disappearance will be celebrated with Pushpanjali and kirtan.

श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी का आविर्भाव (3 फरवरी)

श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी का आविर्भाव पुष्पांजलि एवं कीर्तन के साथ मनाया जाएगा। भक्तजन भक्तिपूर्ण जीवन में उन्नति करने हेतु आचार्य से दया और कृपा की प्रार्थना करेंगे।

2) वराह द्वादशी (9 फरवरी)

भगवान् सभी प्रकार के जीवित प्राणियों की प्रजातियों में प्रकट होते हैं। जब भूमिदेवी को राक्षस हिरण्याक्ष ने गर्भोदक सागर में डुबा दिया, तब श्री भगवान् उन्हें उबारने हेतु भगवान् वराहदेव के रूप में प्रकट हुए। इस शुभ अवसर पर भक्तगण अधिक जप करेंगे और भगवान् की दया की

कामना करेंगे।

श्रील नित्यानंद त्रयोदशी (10 फरवरी)

भगवान् बलराम जी ही भगवान् नित्यानंद हैं, जो कलियुग में भगवान् गौरांग की लीलाओं में भाग लेने हेतु प्रकट होते हैं। भगवान् के बड़े भाई के रूप में, वह युग धर्म : हरिनाम संकीर्तन की स्थापना हेतु सुविधा प्रदान करते हैं। वह आदि गुरु हैं, आध्यात्मिक शक्ति के भंडार हैं। पुराण कहते हैं "नायमात्मा बलहीनेन लभ्यो": भगवान् बलराम की कृपा के बिना आत्म-साक्षात्कार प्राप्त नहीं किया जा सकता है। त्रयोदशी के दिन भगवान् नित्यानंद का प्राकट्य उत्सव मनाया जाएगा, जिसमें कीर्तन और पवित्र नामों के जाप के मध्य भगवान् नित्यानंद जी का भव्य अभिषेक किया जाएगा। भक्त प्रार्थनापूर्ण मनोदशा और भक्ति तथा प्रेम के साथ प्रदान की गई विभिन्न सेवाओं के माध्यम से भगवान् का अनुग्रह प्राप्त करेंगे। भगवान् को शोभायमान फूल और सूखे मेवे की पोशाकें अर्पित की जाएंगी। विभूषित वेदी और जगमग मंदिर हॉल में सुंदर दर्शनों से उत्सव को सर्वोत्कृष्ट बनाया जाएगा। यह उत्सव एक अधिवास समारोह के उपरान्त होगा। मंदिर परिसर में शोभा यात्रा निकाली जायेगी। भक्तगण विनम्रता से भोग अर्पण कर, अपने परम आराध्य का स्वागत करेंगे।

श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर का आविर्भाव (17 फरवरी)

कीर्तन एवं मंत्रोच्चार के मध्य पुष्पांजलि के साथ श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर का प्राकट्य उत्सव मनाया जाएगा। 'सिंह-गुरु' ने प्रथाओं से प्रदूषण को दूर करके एवं आध्यात्मिक उन्नति की तात्कालिकता और महत्व को उजागर करके श्री कृष्ण भावनामृत आंदोलन की नींव रखी।

श्रील जगन्नाथ दास बाबाजी महाराज का तिरोभाव (28 फरवरी)

श्रील जगन्नाथ दास बाबाजी महाराज, भक्ति में पवित्रता के प्रतीक हैं। उन्होंने चैतन्य महाप्रभु की प्राकट्यस्थली का पता लगाने में श्रील भक्तिविनोद ठाकुर का मार्गदर्शन किया। यह उनकी कृपा है कि वर्तमान समय में भक्त नवद्वीप की पवित्र और उत्कृष्ट भूमि का दर्शन और अनुभव करने में सक्षम हैं। पुष्पांजलि और कीर्तन के साथ उनके तिरोभाव का उत्सव मनाया जाएगा।

LORD NITYANANDA DELIVERS THE THIEVES

The Supreme Lord is called Bhagavan, which indicates that He possesses six primary opulences (beauty, strength, fame, wealth, knowledge, and renunciation) to an unlimited degree. He possesses these qualities eternally, but sometimes one or more remain hidden from ordinary view so that He can achieve specific purposes. Five hundred years ago, Lord Krishna appeared in Navadvipa, West Bengal, in the form of His own devotee, Sri Chaitanya Mahaprabhu. He came to relish being a devotee and to teach the process of devotional service so that we can achieve the highest spiritual treasure, pure love of God (krishna-prema). Mahaprabhu personally inaugurated the sankirtana movement (the congregational chanting of the Lord's holy names)



to uplift the sinful souls of the current Age of Kali, the Age of Quarrel and Hypocrisy.

Lord Nityananda is vishnu-tattva. The chief purpose of His appearance was not to showcase His wealth and beauty, but rather to



distribute His inconceivable mercy to the suffering souls in material bondage. Out of His supreme compassion, He traveled from door to door to ask everyone to chant the holy names of the Lord and thus achieve spiritual perfection. Lord Nityananda did not distinguish between qualified and unqualified souls, and delivered the most degraded and sinful. Once, when a gang of thieves wanted to rob Him of His ornaments, Lord Nityananda not only purified them of their sins, but ultimately awarded them pure love of God.

A Greedy Gang of Thieves

Srila Vrindavana Dasa Thakura has narrated this astonishing pastime in Chaitanya-bhagavata (Antya-khanda 5.527-706). The leader of the gang, who had been born in a brahmana family, had rejected religious principles to associate with wicked, materialistic people and lead a sinful life of cheating, stealing, and even murder. Fortunately for him, he dwelled in

the holy land of Navadvipa when Lord Nityananda was performing His pastimes there.

Lord Nityananda was residing with a devotee named Hiranya Pandita. Although Hiranya Pandita was poor, his heart was rich with pure love of God, and Lord Nityananda appreciated his company so much that He left His other associates to stay in Hiranya Pandita's home. Unlike Hiranya Pandita, the thief lacked such appreciation for the spiritual wealth of Lord Nityananda's company. He simply coveted others' material assets under the illusion that these would somehow make him happy.

One day, the thief spied Nityananda Prabhu near Hiranya Pandita's house. He saw that the Lord wore golden bracelets, armlets, and earrings set with pearls. Necklaces made of gold, coral, jewels, and pearls adorned His beautiful body. Enchanted by such dazzling splendor, the thief craved the Lord's wealth. He stealthily followed the Lord to ascertain His residence, and informed his companions of his great discovery.

"My dear brothers," the thief





announced. "Our days of suffering are about to end. I have seen the most valuable jewels all together in one place, on the body of Nityananda. He is staying alone in the house of Hiranya Pandita, so tonight let us go there and rob everything."

Equipped with daggers, swords, and tridents, the thieves gathered near Hiranya Pandita's house that evening. They were blinded by boundless materialistic ambition, and their minds were overpowered by an insatiable greed. Because of their demoniac mentality, they did not consider Nityananda Prabhu's true identity as the Supreme Personality of Godhead or His jewelry as an expansion of His spiritual energy. Instead, they considered Him an ordinary man and His ornaments merely matter to be conquered.

The thieves camped near Hiranya Pandita's house and sent a spy to investigate the feasibility

of their plan. The scout returned and informed the others that Nityananda was eating and His associates were awake. He could not comprehend the activities of the Lord's associates, who were intensely engaged in sankirtana, the congregational chanting of the holy names of the Lord. They exhibited symptoms of deep spiritual ecstasy, such as shivering, crying, rolling on the ground, and standing up of the bodily hairs. The spy could see these activities only as a momentary impediment to his sense gratification.

The thieves decided to wait a few hours and approach the house later, when they presumed the Lord would be asleep. In the meantime, they dreamed of the wealth they expected to attain, each claiming a different ornament as his

own.

The Thieves Fall Asleep

Lord Nityananda, being the Supreme Personality of Godhead Balarama, is fully endowed with spiritual strength (bala). As the first expansion of Krishna's spiritual energy, Nityananda has all of Krishna's potencies, and so He perfectly understood the thieves' sinful intentions. Through His mystic power, He caused them to fall asleep, and they slept deeply through the night. When they awakened suddenly to the squawking of crows, the sun was already high in the sky.

The thieves furtively returned to their homes and then quarreled,

each accusing the other of falling asleep and ruining their plan. Then their leader pacified them, attributing everything to the will of Goddess Durga, the demigoddess in control of the material nature. He conjectured that Durga had bewildered them because they neglected to worship her. Thus, the thieves offered meat and wine to Durga and then again set out to rob Lord Nityananda, unaware that Mother Durga is merely an agent of the Supreme Lord.

When the thieves approached Hiranya Pandita's house, they saw fierce giant soldiers guarding the four directions and loudly chanting the holy names of the Lord: Hare Krishna, Hare Krishna, Krishna Krishna, Hare Hare/ Hare Rama, Hare Rama, Rama Rama, Hare Hare. The thieves observed that each soldier wielded many weapons and was powerful enough to kill a hundred people in an instant. Utterly mystified, they quickly left the vicinity and sat down together to discuss this strange sight.

"Where have these giant soldiers come from?" the thieves wondered. Someone suggested



that Nityananda might have arranged for His own protection, since many people said that He was very wise. Their leader scoffed at the idea and determined that the guards must be the entourage of an influential government official, and he decided to wait a few days before making another attempt.

After ten days, the thieves gathered together for a third time, each carrying five or ten weapons. As soon as they approached Hiranya Pandita's house, they went blind—which seems appropriate when one considers that they were already spiritually blind. Then they fell into various situations that made them cry out of agony and fear. Some of the thieves fell into a ditch and were bitten by leeches, mosquitoes, and bees. Others fell into a heap of garbage and were stung by swarms of scorpions. Others fell on thorns, which pierced their bodies so that they couldn't move, while others fell into a hole and broke their limbs.

Then Indra, the king of the demigods, sent a fierce storm with heavy rains, lightning, and sharp hailstones, and the thieves shivered with extreme cold. Although Indra holds a high post as a universal administrator, he is but a servant of the Supreme Lord. He realized that the thieves had come to rob Nityananda, and punished them out of anger.

A Change of Heart

Suddenly, in the midst of this terrifying storm, the leader of the thieves experienced a change of heart. He understood that Nityananda Prabhu is the Supreme Personality of Godhead and regretted his plans to harm Him. He prayed for forgiveness and took complete shelter of the Lord's lotus feet.

"Who can protect me from this great danger?" the thief prayed. "I have no shelter other than Nityananda."

He declared that his only desire was to become the servant of the Lord, whether he lived or died. Upon seeing the thief's sincerity, Lord Nityananda relieved the gang from their suffering and restored their eyesight.

The head thief returned to Hiranya Pandita's house. When he saw the glorious form of Nityananda Prabhu, he cried out to the Lord for protection and fell at His feet. Because Lord Nityananda had blessed him with ecstatic love of God, the hairs of his body stood on end, and he laughed, cried, and rolled on the ground, unable to speak. Eventually, he came to external consciousness and confessed everything to Lord Nityananda. He marveled how the Lord had delivered all the thieves from their suffering, and then acknowledged that the real benefit of remembering the Lord was not relief from physical pain but liberation from a materialistic mentality.

Lord Nityananda blessed the thief and promised to nullify all his sins if he agreed to renounce all sinful activities from then onward. The Lord commanded the thief to preach among the criminals, showing them the path of Krishna consciousness. Then the Lord gave His own flower garland to the thief and placed His lotus feet on the thief's head. The thief was purified of all sinful reactions and empowered to influence other criminals to take up Krishna consciousness. Ultimately, by Lord



Nityananda's mercy, the thief and all of his followers became intoxicated with pure love of God.

The pastime with the thieves demonstrates Lord Nityananda's inconceivable compassion and readiness to deliver the most fallen and sinful souls. Even though the thieves' original intention was to harm the Lord, He nonetheless accepted them as soon as their leader surrendered. He mitigated their suffering at once and, more important, awarded them the highest spiritual perfection of *krishna-prema*. In an instant the thieves' initial greed for material wealth became spiritual yearning for the Lord's mercy.

By following the thieves' example and surrendering to Lord Nityananda, we can get the mercy of Lord Chaitanya and thus easily gain the most elevated spiritual treasure of pure love of God. Lord Nityananda offers us actual hope for true, everlasting bliss. Are we ready?

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi
Chirag Delhi, New Delhi-110017

Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885

Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village
Okhla, Phase – I, New Delhi-110020

Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934

Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir
(Panghat wala), Gurudwara Road

Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003

Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999

Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062

Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160

Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer
Institute (Basement)

Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014

Contact at: 9811281521, 011-26348371

Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091

Contact at: 9810114041, 9958680942

Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Srinivas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir

1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Srinivas Puri,

New Delhi-110065

Contact at: 9711120128, 9654537632

Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika

Sangam Vihar, New Delhi-110080,

Contact at: 9212495394, 9810438870

Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM

Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)

Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,

New Delhi -110001, Every Wednesday 1PM -2 PM

Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave,
New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.

C ph.2 Mayur Vihar

Every Saturday 5.30 - 7.30 PM

Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,
Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023

Every Monday 6 PM to 8 PM

Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003

Every Saturday 5 PM to 7 PM

Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,
New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM

Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market,
New Delhi – 110001

Every Saturday 5 PM to 7 PM

Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road,

Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam
Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room,
Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MANDIR-New Colony, Gurugram,

Every Saturday-6:30 to 8:30PM

Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center

Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan,

Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Katwaria Sarai - F 117, Basement, Near well No 1, Katwaria Sarai

New Delhi 110016. Contact: +91 75033 48819, Youth program - Every Friday 7.30

PM. Family program - Every Saturday 7.30 PM

Ladosarai - F-6, Hare Krishna wali Gali, Near Panchayat Bhawan, Ladosarai,
New Delhi-110030. Contact No.: 7011003974, 9888815430, 9717600814. Youth

Program: Tuesday 07:30 PM; Congregation Program: Sunday- 5:00 PM

Mehrauli - Opposite Agarwal Dharmashala, Mehta chowk,
Ward no 8, Mehrauli , New Delhi 110030.

Contact: 9711862441, 9911399960, 9810565805.

Congregation Program: Every Saturday, 4-6 PM;

Youth Program: Every Sunday, 4-5PM

Chattarpur - Nitin Niwas H. No. 133, Chattarpur, Near Tyagi Chaupal,
Near Axis Bank ATM, South Delhi, 110074,

Contact: 9910290149

Program: Every Sunday 5.30PM To 7.30PM

Aya Nagar 1- Shiv Hansa Complex, Phase VI, G Block, Bandh Road,

Opp Max Gain Shopping Centre, Aya Nagar.

Contact: 9953891845, 8860681843, Program: Every Sunday, 6 To 8 PM

Aya Nagar 2- Opp MCD School, Near Easy Day, Main Road, Aya Nagar, Delhi.

Contact: 9899729858, 8368656274

Program: Every Sunday 4 To 6 PM

Malviya Nagar - 90/77, Basement, Behind Malviya Hospital, Malviya Nagar.

Contact No. 8097263066, Program: Every Saturday 6PM Onwards

Khirk Extension - JG-35, Near Krishna Temple, Inside Left Street, Khirki

Extension. Contact No. +91 98911 27996

Program: Every Sunday 5 PM Onwards

Kishan Garh - H.No.602, Ward No.3, Bhuiyan Chowk ,Gaushala Road

Kishangarh,Vasant Kunj. Contact No- 8447358738

Every Sunday, 3:00 PM onwards

Sangam Vihar - D-170, Gali no. 4, Hare Krishna Centre Barsana Dham,

Nearby Sona Sweets, Sangam Vihar, New Delhi-110080.

Contact number:- 8851286364, 8447042470, Every Saturday; 6:00 PM-8:00PM;

Every Friday and Sunday; 5:30-7:00AM onwards

East Of Kailash - 194 FF Amritpuri Garhi, East of Kailash, Near MCD School,
New Delhi-110065. Contact: 9811347826, 9990503548.

Youth Program:- Saturday 7:00 PM

Ber Sarai - House number -2, Near Government Dispensary, BerSarai, New Delhi,

Contact - 8882347935, 7065835531

Youth Program : Monday 7:00PM, Congregation Program : Saturday 4:00PM

Vasant Kunj - B100 (Basement), B Block, Mother Dairy, Vasant Kunj Enclave,

New Delhi-110070. Contact No.: 8860246574, 8879005088.

Every Sunday- 04:00 PM

Saket - C-109, Ground Floor, Near Mother Dairy, Paryavaran Complex, Saket,
New Delhi-110030, Contact: 8287713680, 8130505488, 9667427986

Youth Program: Saturday 07:00 PM; Congregation Program: Friday 07:00 PM

Tigri Extension - C-10 Hare Krishna Centre, Maha Shiv Shakti Mandir,

Tigri Extension, New Delhi-110080. Contact: 8851286364, 9810433117

Every Sunday, 11:00am - 1:00PM

Ghitorni - House no. 270, Balmiki choupal, Near Kali Mata Mandir, Ghitorni,

New Delhi-1100030, Contact No. -9975756916, 7065835531

Youth Program- Thursday-7:00PM

Sultanpur - 2nd floor,Waliya house,near Gurudwara, Sultanpur, Delhi 110030.

Contact-9667478077. Youth program-Sunday 7:00 PM;

Congregation Program-Friday 5:00 PM

Prahlad Pur - A-132, DDA Flats, Prahladpur New Delhi 110044

Contact: 9999464382, 9650543321, Every Sunday 04:00 PM

Paharganj - 1st Floor, Radha Krishna Mandir, Near Jain Mandir, Mantola,

Paharganj, Contact No. 9818188182; 9810224106

Program: Every Saturday 7:00 To 8:00 PM

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vighraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666
- For ISKCON East Delhi, Please contact @ 98115 10090



International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65

Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com

Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-43618748, 43711307, 7042836300

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg,
West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New
Delhi-110075 Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/ Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,
Badshahpur, Gurugram
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,
Phone : 0129-4145231, Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par
Bahadurgarh,
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799
Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,
Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969
Email: iskcon.rohini@gmail.com

ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham,
Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika
Business park), Gurugram, Haryana 122001
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R,
35, Hare Krishna Marg,
Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002
Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola,
Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074
Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0,
Near Delhi Public School,
Sector-45, Gurugram, Haryana-122003
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342
Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat,
Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006
Phone: 098112 72600

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5,
Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar
Pradesh-201301
Phone: 095604 76959

ISKCON East Delhi - Hare Krishna Center
12/115 Geeta Colony, Delhi-110031
Phone: +91 98115 10090, Email: iskcon.del@gmail.com